न्यूज डायरी

लाखों में बिके एलन मस्क के चेक किए हुए पेपर्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। टेस्ला के मालिक एलन मस्क से जुड़े कुछ पेपर्स एक नीलामी में लाखों में बिके हैं। इन पेपर्स पर दरअसल एलन मस्क ने ग्रेड दिए थे जो 7,753 डॉलर्स यानी करीब 5.87 लाख रुपए में बिके हैं। टेस्ला की शुरुआत से पहले एलन मस्क एक टीचिंग असिस्टेंट के रूप में काम करते थे। 1995 में वह यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के व्हार्टन स्कूल ऑफ बिजनेस में एग्जाम और पेपर ग्रेड करने में मदद करते थे। मस्क उस वक्त खुद यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया में फिजिक्स और इकोनॉमिक्स के छात्र थे। मस्क ने क्लास मैनेजमेंट 231 के लिए एक टीचिंग असिस्टेंट के रूप में काम किया था। 1995 के दो कोर्सवर्क जिन पर मस्क के शॉर्ट साइन थे और उनके लिखे हुए ग्रेड थे, एक ऑनलाइन नीलामी में 7,753 डॉलर (5.87 लाख रुपए) में बेचे गए। नीलामी की कीमत में कंपनी आरआर ऑक्शन्स को किया गया 25 फीसदी भुगतान शामिल है।

प्लेन चुराने के लिए बम के साथ एयरपोर्ट में घुसा शख्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका का मशहूर मिलिट्री एयर बेस एरिया 51 एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार यहां किसी एलियन के देखे जाने का दावा नहीं किया गया है बल्कि कुछ इससे भी ज्यादा हैरान करने वाला घटित हुआ है। घटना 8 दिसंबर की है जब 36 साल के मैथ्यू हैनकॉक सुरक्षा घेरों को तोड़ते हुए अपनी कार से लास वेगास के मैककरन इंटरनेशनल एयरपोर्ट में घुसे। एयरपोर्ट के बाहरी और भीतरी सिक्योरिटी बेरियर्स को तोड़ने के बाद उन्होंने अपनी कार एक विमान के पास रोक दी। खबरों की मानें तो हैनकॉक की मंशा दरअसल एक प्लेन को चुराने की थी। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक हैनकॉक ने अटलांटिक एविएशन के कर्मचारियों को धमकाया। कर्मचारियों ने जानकारी दी है कि हैनकॉक ने उनसे कहा, श्मेरे पास एक बम है और मैं इस जगह को उड़ा दूंगा।श इसके बाद वह वापस अपनी कार में बैठे और आगे बढ़ गए।

इजरायल ने बेंजामिन नेतन्याहू के परिवार की सुरक्षा हटाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरूशलम। इजराइल की संसदीय समिति ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी और उनके वयस्क पुत्रों को अब सुरक्षा मुहैया नहीं कराने के पक्ष में रविवार को मतदान किया। यह फैसला सोमवार से प्रभावी होगा। नेतन्याहू ने कई बार कहा है कि उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां लगातार मिल रही हैं। इसके बावजूद समिति ने यह फैसला किया। नफ्ताली बेनेट ने इजराइल के प्रधानमंत्री पद की जून में शपथ ली थी और इसी के साथ 12 साल से प्रधानमंत्री पद पर काबिज नेतन्याहू का कार्यकाल खत्म हो गया। नयी सरकार के लिए अलग–अलग विचारधाराओं के दलों ने गठबंधन किया। नेतन्याहू अब विपक्ष के नेता हैं और उन्हें सरकार की ओर से सुरक्षा मुहैया कराई जाती है। उसने कहा कि नेतन्याहू की पत्नी या उनके बच्चों को कोई आसन्न खतरा नहीं है।

नजर कमजोर होने का पहले लगेगा पता, नए शोध में वैज्ञानिकों ने बताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) साउथम्पटन (ब्रिटेन)। उम्र के साथ नजर कमजोर होना सामान्य विकार है। लेकिन यदि उसके कारणों का पता चल जाए तो रोकथाम की कोशिशें आसान हो सकती हैं। इसी दिशा में एक नए अध्ययन में बताया गया है कि बढ़ती उम्र के साथ मैक्युला में होने वाले क्षरण का पता नजर कमजोर होने से पहले ही लग सकता है। यह अध्ययन साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित हुआ है। बता दें कि मैक्युला – आंख के रेटिना का एक हिस्सा है, जो स्पष्ट दृष्टि में मददगार होता है। इसका क्षरण आम तौर पर 50 साल की उम्र के बाद शुरू हो जाता है। मतलब सूखने लगता है, जिससे यह पतला होता है और इस कारण देखने में धुंधलापन होता है या नजर कमजोर होने लगती है। इन सभी के रेटिना स्कैन और जीनेटिक डाटा यूके बायोबैंक में संग्रहित किए गए थे।

एशिया के सबसे ताकतवर देशों की सूची में भारत को चौथा स्थान

महाशक्ति के मामले में दुनिया में अमेरिका से कितने प्वाइंट पीछे है चीन?

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सिडनी के लोवी इंस्टिट्यूट ने एशिया पावर इंडेक्स 2021 में अमेरिका को टाप लिस्ट में रखा है। इस इंडेक्स में एशिया के सबसे ताकतवर देशों की सूची में भारत को चौथे स्थान पर रखा है। कोरोना वायरस महामारी और लाकडाउन के कारण इस वर्ष एशिया पैसिफिक क्षेत्र में चीन और भारत दोनों की पकड़ कमजोर हुई है। इसके चलते भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा है। इस रिपोर्ट में अमेरिका, चीन और जापान के बाद भारत चौथे स्थान पर है। वर्ष 2020 की अपेक्षा भारत को दो अंक का नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिका और चीन के बीच कितने अंकों का अंतर है। इसके साथ प्रमुख एशियाई देशों का भी हाल जानेंगे।

एशिया के सबसे ताकतवर देशों की सूची में भारत को चौथा स्थान मिला है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका, जापान और चीन के

बाद चौथा सबसे ताकतवर देश भारत है। कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से भारत एक है। इसकी स्थिति कोरोना महामारी से पूर्व विकास के स्तरों के मुकाबले डगमगाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते एक वर्ष में भारत को कूटनीतिक प्रभाव और आर्थिक संबंधों जैसे अहम पैरामीटर्स में रैंकिंग का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक जहां शीर्ष एशियाई देशों की प्रभावशीलता घटी है वहीं अमेरिका बेहतर कूटनीति के दम पर अपना रुतबा बढ़ाने में कामयाब रहा है। इसी के साथ वह क्षेत्र में सबसे ज्यादा प्रभावशील देशों की सूची में शीर्ष पर बना हुआ है।

भारत समेत अन्य पड़ोसी मुल्कों का हालः इस इंडेक्स में चीन को छोड़कर भारत के सभी पड़ोसी देश नीचे बने हुए हैं। भारत का पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान 11 पावदान नीचे हैं। इंडेक्स में पाकिस्तान 14.7 अंकों के साथ इस 15वें नंबर पर काबिज है। बांग्लादेश 9.4 अंकों के साथ 19वें स्थान पर है। 86 नंबर के साथ श्रीलंका 20वें स्थान पर है। इस क्रम में 7.4 अंक के साथ म्यांमार 21वें स्थान पर है। भारत का पड़ोसी मुल्क नेपाल 25वें स्थान पर है। इस इंडेक्स में दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया और थाइलैंड भी भारत से काफी पीछे हैं। 30 अंकों के साथ दक्षिण कोरिया 7वें स्थान पर है। 26.2 अंकों के साथ सिंगापुर 8वें स्थान पर है। 19.4 अंकों के साथ इंडोनेशिया 9वें स्थान पर है। 19.2 अंक के साथ थाइलैंड 10वें स्थान पर है। इंडोनेशिया और थाइलैंड के अंकों में बहुत थोड़ा सा गैप है।

पावर गैप इंडेक्स में भारत का स्थान नेपाल और श्रीलंका से पीछे लोवी इंस्टीट्यूट ने बताया कि पावर गैप इंडेक्स में भारत का स्थान नेपाल और श्रीलंका से पीछे है। इसके बावजूद भारत ने भविष्य के संसाधनों के माप पर सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। कोरोना वायरस महामारी और लाकडाउन के कारण 2030 के लिए कम आर्थिक पूर्वानुमान के बावजूद भारत सिर्फ अमेरिका और चीन से ही पीछे है।

ओमीक्रोन का पता लगाने वाले वैज्ञानिक को मिली धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस एजेंसियां कोविड–19 के अग्रणी अनुसंधानकर्ताओं को मिली धमकियों की जांच कर रही हैं। इनमें वह दल भी शामिल है जिसने सबसे पहले महामारी के ओमीक्रोन वेरिएंट की पहचान की थी। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सर्विस के राष्ट्रीय प्रवक्ता विष्णु नायडू ने 'संडे टाइम्स' को बताया कि राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के कार्यालय को धमकी भरा पत्र मिला जिसमें प्रोफेसर तुलियो डी ओलिविएरा समेत कई अग्रणी कोविड–19 अनुसंधानकर्ताओं का जिक्र था।

उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है। प्रोफेसर ओलिविएरा ने उस दल की अगुवाई की थी जिसने ओमीक्रोन स्वरूप का पता लगाने की घोषणा की थी। नायडू ने साप्ताहिक पत्रिका से कहा, यह मामला एक हफ्ते पहले हमारे संज्ञान में आया। शिकायकर्ताओं के राष्ट्रीय कोरोना कमांड परिषद के सलाहकार होने के कारण इस मामले को प्राथमिकता दी गई है। राष्ट्रपति के प्रवक्ता टायरोने सिएले ने पत्र के बारे में जानकारियां नहीं दी हैं लेकिन कहा कि इसमें ऊपर चेतावनी लिखा था। स्टेलेनबोश विश्वविद्यालय ने बताया कि उसने सुरक्षा बढ़ा दी है। प्रोफेसर ओलिविएरा इसी विश्वविद्यालय में काम करते हैं।

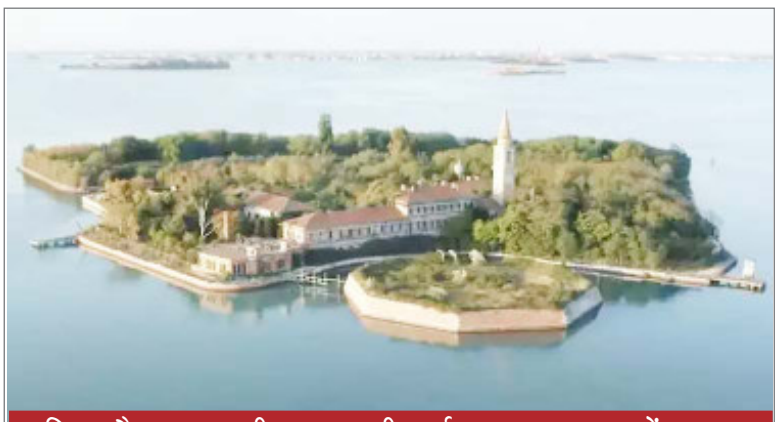

शापित और भुतहा द्वीप पर सुनी गई रहस्यमय आवाजें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रोम। करीब दो सालों से दुनिया एक महामारी की चपेट में है। यह वक्त इतिहास में दर्ज हो रहा है जिसे आने वाली पीढ़ियां याद करेंगी। महामारियों का भी अपना एक इतिहास है। दुनिया कोरोना वायरस से पहले भी कई वैश्विक रोगों से लड़ चुका है। भले ही दुनिया इनसे जंग जीतती आई है लेकिन ये महामारियां बड़ी संख्या में लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार बनती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ था इटली के एक द्वीप पर जहां महामारी के चलते लाखों लोगों को जिंदा जलाए जाने का दावा किया जाता है। इस रहस्यमय द्वीप को दुनिया की सबसे डरावनी जगहों में से एक माना जाता है। जलाने के बाद सभी के शवों को इसी द्वीप पर दफना दिया गया। इसके बाद से ही आसपास के लोग इस द्वीप को शापित और भुतहा मानते हैं।

दुबई में दुनिया की पहली पेपरलेस सरकार बनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के युवराज और दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने घोषणा की कि दुबई सरकार शत प्रतिशत कागज रहित होने वाली दुनिया की पहली सरकार बन गई है। इससे 1.3 अरब दिरहम (35 करोड़ डॉलर) और एक करोड़ 40 लाख श्रम घंटों की बचत हुई है। दुबई सरकार में सभी आंतरिक, बाहरी लेनदेन और प्रक्रियाएं अब शत प्रतिशत डिजिटल हैं तथा एक व्यापक डिजिटल सरकारी सेवा मंच इसका प्रबंधन करता है।

शेख हमदान ने एक बयान में कहा, श्इस लक्ष्य को हासिल करना जीवन के सभी पहलुओं को डिजिटल बनाने की दुबई की यात्रा में एक नए चरण की शुरुआत का प्रतीक है। इस यात्रा का आधार नवाचार, कलात्मकता और भविष्य पर केंद्रित है। सरकार की पेपरलेस नीति को पांच चरणों में लागू किया गया था। खबरों के मुताबिक अंतिम चरण के समाप्त होने तक पेपरलेस नीति सभी 45 सरकारी संस्थाओं में भी लागू हो गई थी।

हर साल बच सकते हैं 2700 करोड़ रुपए

दुबई सरकार को इस नीति से बड़ा फायदा होगा। पेपरलेस होने से न सिर्फ धन बल्कि मानवश्रम की भी बचत होगी। डीएनए के मुताबिक दुबई सरकार अब हर साल करीब 2700 करोड़ रुपए बचा सकती है। इस पहल की नींव 2018 में रखी गई थी जो पर्यावरण के लिहाज से भी एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। दुबई क्राउन प्रिंस ने इसे एक नए युग की शुरुआत बताया है। उन्होंने कहा कि आने वाले 5 दशक में सरकार डिजिटल सेवाओं को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के लिए काम करेंगी।

पश्चिमी देशों के लिए पेपरलेस बनना मुश्किलः दुबई में अब कागज का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद हो गया है। ऐसे कई पश्चिमी देश हैं जो इस लक्ष्य को हासिल करना चाहते हैं, जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा। ये देश आधुनिक बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

ओमीक्रोन वेरिएंट के खिलाफ मजबूत सुरक्षा दे सकती है फाइजर की बूस्टर डोज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रोन के खिलाफ कौन सी वैक्सीन सबसे ज्यादा कारगर है? फिलहाल सभी को इस सवाल के जवाब का इंतजार है। इसी कड़ी में इजरायल के खोजकर्ताओं ने पाया है कि फाइजर और बायोएनटेक कोरोना वैक्सीन की तीन खुराकें ओमीक्रोन वेरिएंट से सुरक्षा देने में सक्षम है। शेबा मेडिकल सेंटर और स्वास्थ्य मंत्रालय की सेंट्रल वायरोलॉजी लैब ने यह अध्ययन किया है। इसके लिए रिसर्चर्स ने 5–6 महीने पहले वैक्सीन की दो खुराकें ले चुके 20 लोगों के खून की तुलना उन लोगों से की जिन्होंने करीब एक महीने पहले बूस्टर डोज लगवाया था। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक शेबा में संक्रामक रोग इकाई की निदेशक गिली रेगेव–योचाय ने कहा कि जिन लोगों ने 5–6 महीने पहले दूसरी डोज ली थी, उनमें ओमीक्रोन के खिलाफ कोई सुरक्षा क्षमता नहीं देखी गई, हालांकि डेल्टा के खिलाफ उनमें कुछ हद तक सुरक्षा देखी गई। उन्होंने कहा कि अच्छी खबर यह है कि बूस्टर डोज से यह लगभग 100 गुना तक बढ़ सकती है।